अभ्यास पत्रक

पाठ – कर चले हम फ़िदा

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. पद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"कर चले हम फ़िदा जानो-तन साथियों
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों
साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया"

1. सैनिकों ने वतन को किसके हवाले किया है और क्यों?

उत्तर - .....
.....

2. 'साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई' – यह पंक्ति किस स्थिति का वर्णन करती है?

उत्तर - .....
.....

3. इन पंक्तियों में सैनिकों की कौन-सी भावना स्पष्ट होती है?

उत्तर - .....
.....

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** सैनिकों ने अपने जीवन को देश पर न्योछावर किया।
   कारण: उन्होंने शत्रु से डरकर पीछे हटने का निर्णय लिया।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

5. **कथन:** कविता में 'हिमालय का सिर न झुकने देना' एक प्रतीकात्मक पंक्ति है।
   कारण: यह देश की गरिमा और अखंडता को दर्शाती है।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. "कर चले हम फ़िदा" कविता के रचयिता कौन हैं?
   (क) हरिवंश राय बच्चन (ख) कैफ़ी आज़मी (ग) रामधारी सिंह दिनकर (घ) श्याम नारायण पांडेय

7. कविता का भाव किस युद्ध की पृष्ठभूमि में है?
   (क) भारत-पाक युद्ध (ख) द्वितीय विश्व युद्ध (ग) भारत-चीन युद्ध (घ) करगिल युद्ध

8. "अब तुम्हारे हवाले वतन" का क्या अर्थ है?
   (क) हम घर जा रहे हैं (ख) हम राजनीति छोड़ रहे हैं
   (ग) देश अब आपकी जिम्मेदारी है (घ) हम घायल हैं

9. कविता में 'धरती बनी है दुल्हन' किसे दर्शाता है?
   (क) प्रेम का प्रतीक (ख) युद्ध क्षेत्र (ग) शांति का संकेत (घ) बलिदान से सजी धरती

eGyanArchive

10. "बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो" का भावार्थ क्या है?

(क) अंतिम यात्रा पर चलना (ख) बलिदान के लिए तैयार रहना

(ग) मृत्यु से डरना (घ) व्रत लेना

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. 'मरते-मरते रहा बाँकपन' – इस पंक्ति में 'बाँकपन' का क्या तात्पर्य है?

उत्तर - .....

.....

.....

12. कविता में 'राह कुर्बानियों की न वीरान हो' से कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर - .....

.....

.....

13. सैनिक देश की रक्षा के लिए जनता को किस प्रकार प्रेरित करता है?

उत्तर - .....

.....

.....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. "कर चले हम फ़िदा" कविता सैनिकों की देशभक्ति और त्याग का अनुपम उदाहरण है – स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "देश की रक्षा करना केवल सैनिकों का नहीं, हर नागरिक का कर्तव्य है" –पाठ के आधार पर विचार प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

eGyanArchive

उत्तर कुंजी

1. सैनिकों ने देश को अपने प्राणों की आहुति देने के बाद देशवासियों के हवाले किया ताकि वे उसकी रक्षा करें।

2. यह दर्शाता है कि ठंड और गोलियों से सैनिकों की स्थिति अत्यंत गंभीर थी।

3. त्याग, वीरता, और देश के लिए मर-मिटने की भावना।

4. (ग)

5. (क)

6. (ख)

7. (ग)

8. (ग)

9. (घ)

10. (ख)

11. 'बाँकपन' का अर्थ है वीरता और साहस। यह पंक्ति बताती है कि सैनिक अंतिम साँस तक साहस और शौर्य से लड़ते रहे।

12. कवि चाहता है कि सैनिकों के बलिदान की परंपरा समाप्त न हो, बल्कि नए काफ़िले (युवक) सदा देश सेवा के लिए तैयार रहें।

13. सैनिक जनता से कहता है कि वे ही अब राम और लक्ष्मण हैं, देश की रक्षा की जिम्मेदारी अब उन्हीं की है। उन्हें सीता (वतन) की रक्षा करनी है।

14. "कर चले हम फ़िदा" कविता में सैनिकों की राष्ट्रभक्ति, त्याग और दृढ़ संकल्प का वर्णन अत्यंत प्रभावी ढंग से हुआ है। कविता में सैनिक बताते हैं कि वे ठंडी, भूख और गोलीबारी की परवाह किए बिना सरहद पर डटे रहे। उन्होंने अपने सिर कटवा दिए, लेकिन हिमालय का सिर नहीं झुकने दिया। सैनिक मरते-मरते भी वीरता नहीं भूले और अंत में देश को देशवासियों को सौंप गए। यह कविता न केवल सैनिकों की वीरता को दर्शाती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि देशभक्ति में जीवन का बलिदान भी स्वीकार्य है।

15. पाठ "कर चले हम फ़िदा" केवल एक सैनिक की वीरता की गाथा नहीं, बल्कि पूरे देशवासियों के लिए एक संदेश है। सैनिक देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे देते हैं और फिर कहते हैं – "अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।" इसका अर्थ है कि अब देश की रक्षा की जिम्मेदारी जनता की है। केवल सैनिक ही नहीं, हर नागरिक को अपने स्तर पर देश की सुरक्षा, अखंडता और गरिमा को बनाए रखने का कार्य करना चाहिए। देशप्रेम केवल सीमा पर लड़ना नहीं, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और परस्पर सहयोग में भी प्रकट होता है। हमें शिक्षा, विज्ञान, समाजसेवा, राजनीति – हर क्षेत्र में देश की रक्षा करनी है। यही इस कविता का संदेश है।